भारत के लिए फायदे का सौदा साबित हो रही वैश्विक खिलौना कंपनियां

नई दिल्ली ।

खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन के लिए जो बात नुकसान वाली हो सकती है, वह भारत के लिए फायदे का सौदा साबित हो रही है। भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 15 और वित्त वर्ष 23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई तथा आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप देश शुद्ध निर्यातक बन गया। भारत में खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। उद्योग के भागीदारों के अनुसार हालांकि हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए देश पर अधिक निर्भर हैं, लेकिन इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास जैसी प्रमुख विनिर्माता अपना ध्यान धीरे-धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रहीं हैं। बीआईएस के नियमन से पहले खिलौनों के लिए भारत की चीन पर 80 प्रतिशत निर्भरता थी, जो अब कम हो गई है। आज कई कंपनियों ने भारत में अपना आधार तैयार किया है। कंपनी हैसब्रो, स्पिन मास्टर, अर्ली लर्निंग सेंटर, फ्लेयर और डूमोंड

पार्क गेम्स जैसी अंतरराष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। कंपनी द्वारा उत्पादित करीब 60 प्रतिशत उत्पाद अब निर्यात बाजारों की जरूरतें पूरी कर रहे हैं, जिनमें अमेरिका में जीसीसी, यूरोप के 33 देश शामिल हैं।

सोना-चांदी के कारोबार की सुस्त शुरुआत

-सोना 65,250 और चांदी 75,250 रुपए के करीब

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट साथ खुले। सोना 65,250 हजार रुपये और चांदी 75,250 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। लेकिन बाद में सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव में सोमवार को सुस्ती देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 94 रुपये की गिरावट के साथ 65,348 रुपये के भाव पर खुला और 283 रुपये की गिरावट के साथ 65,259 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 65,395 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 65,250 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 66,356 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।चांदी के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 150 रुपये की गिरावट के साथ 75,400 रुपये के भाव पर खुला जो 387 रुपये की गिरावट के साथ 75,263 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट और चांदी वायदा भाव की तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,159.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,161.50 डॉलर था। फिलहाल यह 7.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,153.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.40 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.38 डॉलर था। फिलहाल यह 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 25.25 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 81.03 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 85.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। बता दें कि तेल कंपनियों ने 15 मार्च से पेट्रोल और डीजल की कीमत में 2 रुपये की कटौती की है। वहीं लक्षवद्वीप में पेट्रोल और डीजल 15 रुपये तक सस्ता हो गया है। हालों कि पेट्रोल-डीजल में कोई बदलाव नहीं दिखाई दे रहा है। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरुपेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

5 स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ आ रही टाटा पंच

ग्राहक माइलेज के साथ सेफ्टी रेटिंग पर भी दे रहे ध्यान

नई दिल्ली ।

अगर आप एक नई कार खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको भी सेफ्टी और एसयूवी पहली पसंद है। साथ ही आपका बजट भी अगर ज्यादा नहीं है तो हम यहां आपको एक ऐसे मॉडल के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ आता है और ये एक एसयूवी भी है। दरअसल, हम यहां टाटा पंच के बारे में बात कर रहे हैं। ये भारत की सबसे सस्ती 5 स्टार रेटिंग वाली एसयूवी है। इस कार को ग्लोबल एनकैप से 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। इसकी कीमत की बात करें तो ये बाजार में 6.13 लाख रुपये से लेकर 10.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच की कीमत में मिलती है। ये प्योर एडवेंचर, अकोंप्लीस्ड और क्रिएटिव वाले चार ब्रॉड वेरिएंट्स में आती है।टाटा की इस माइक्रो एसयूवी में 5 पैसेंजर्स बैठ सकते हैं और इसका बूट स्पेस 366 लीटर है। वहीं, इसमें 187 एमएम का ग्राउंड क्लीयरेंस भी मिलता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें डुअल फ्रंट एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर पार्किंग सेंसर, एक रियर-व्यू कैमरा, एक टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), और इसोफिक्स एंकर्स जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसके अलावा इसमें कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी के साथ 7-इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले, 7-इंच सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, ऑटोमैटिक एसी और क्रूज़ कंट्रोल जैसे फीचर्स भी मिलते हैं। इंजन की बात करें तो इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है। जो (88 पीएस की पावर और 115 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी का ऑप्शन मिलता है। इसका सीएनजी वेरिएंट इसी इंजन को यूज करता है और इसमें केवल 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है। ये सीएनजी मोड 73.5 पीएस की पावर और 103 एनएम टॉर्क जनरेट करता है।

स्मार्टफोन वीवो टी3 भारत में होगा जल्द लॉन्च

-मिल सकती है 44वॉट की फ्लैश चार्जिंग

नई दिल्ली ।

भारत में जल्द मिड-रेंज 5जी स्मार्टफोन वीवो टी3 लॉन्च किया जाएगा। आने वाला ये फोन कंपनी के वीवो टी2 5जी के सक्सेसर के रूप में आएगा, और उम्मीद की जा रही है कि इसे 20,000 रुपये से कम दाम में पेश किया जाएगा। फ्लिपकार्ट पर इस फोन का टीज़र जारी कर दिया गया है, और इसकी लैंडिंग पेज पर लिखा है, 'कमिंग सुन '। बैनर के साथ-साथ फोन की झलक को भी देखा जा सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि वीवो टी3 5जी फ्लैट एज डिज़ाइन के साथ आता है और इसके क्रिस्टल फ्लैक और कॉस्मिक ब्लू कलर वेरिएंट में आने की बात कही गई है। वीवो टी3 5जी के फीचर्स को लेकर कंपनी ने तो कोई ऑफियल जानकारी नहीं दी है, लेकिन ऐसी उम्मीद है कि फोन 6.67-इंच के अमोलेड डिस्प्ले के साथ आएगा और इसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट मिलेगा। फोन फुल-एचडी+ रेज़ोलूशन और 1800 निट्स की पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट कर सकता है। पावर के लिए वीवो के आने वाले फोन में 5000 एमएएच की बैटरी दी जा सकती है और इसमें 44 वॉट फ्लैश चार्ज होने की उम्मीद है।

स्मार्टफोन डुअल स्पीकर सेटअप और स्प्लैश और धूल से बचाव के लिए फोन में आईपी 54 रेटिंग मिल सकती है।फोन को पावर देने वाला ऑक्टा-कोर मीडियाटेक डाइमेंशन 7200 प्रोसेसर 8जीबी रैम के साथ होने की

उम्मीद है।कैमरे के तौर पर वीवो टी3 5जी में ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (ओआईएस) के साथ 50 मेगापिक्सल का प्राइमेरी कैमरा और 2 मेगापिक्सल का दूसरा कैमरा हो सकता है, जबकि सेल्फी के लिए फोन में 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा होने की उम्मीद की जा रही है।

रुपया दो पैसे बढ़कर 82.84 पर

मुंबई । विदेशी कोषों की आवक के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 82.84 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती के चलते शुरुआती कारोबार में रुपये की बढ़त सीमित रही। इस दौरान स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 82.83 से 82.84 के दायरे में रही। रुपया शुक्रवार को 82.86 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 103.43 पर सपाट कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.35 प्रतिशत बढ़कर 85.64 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

भारत की मौजूदा आर्थिक तेजी का दौर 2003-07 जैसा: मॉर्गन स्टैनली

नई दिल्ली । निवेश के बल पर आगे बढ़ रही भारत की वर्तमान ओ र्थिक वृद्धि की रफ्तार 2003-07 जैसी दिखाई दे रही है। उस समय आर्थिक वृद्धि दर औसतन 8 प्रतिशत से अधिक थी। मॉर्गन स्टैनली के अर्थशास्त्रियों ने यह बात कही है। मॉर्गन स्टैनली ने एक रिपोर्ट में कहा कि एक दशक तक जीडीपी के मुकाबले निवेश में लगातार गिरावट के बाद अब भारत में पूंजीगत व्यय वृद्धि के प्रमुख चालक के रूप में उभरा है। रिपोर्ट के मुताबिक हमें लगता है कि पूंजीगत व्यय चक्र के लिए पर्याप्त गुंजाइश है और इसलिए वर्तमान तेजी 2003-07 के समान है। मॉर्गन स्टैनली के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि वर्तमान तेजी खपत की तुलना में निवेश बढ़ने के चलते है। शुरुआत में इसे सार्वजनिक पूंजीगत व्यय से समर्थन मिला, लेकिन निजी पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि हो रही है। इसी तरह खपत को पहले शहरी उपभोक्ताओं ने सहारा दिया और बाद में ग्रामीण मांग भी बढ़ी। वैश्विक निर्यात में बाजार हिस्सेदारी बढ़ने और व्यापक आर्थिक स्थिरता से भी अर्थव्यवस्था को समर्थन मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमारा मानना है कि मौजूदा तेजी जीडीपी के मुकाबले निवेश बढ़ने से है।

अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब डॉलर पहुंचा

वाशिंगटन। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 99.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान स्मार्टफोन के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 7.76 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दो प्रतिशत थी। एक अधिकारी ने कहा कि स्मार्टफोन विनिर्माण में वृद्धि से निर्यात को बढ़ावा मिला। इसके साथ ही भारत, अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्यातक बन गया है। पहले स्थान पर चीन और दूसरे स्थान पर वियतनाम हैं। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान अमेरिका को किए जाने वाले स्मार्टफोन निर्यात में चीन और वियतनाम की हिस्सेदारी घटी है। शीर्ष पांच आपूर्तिकर्ताओं से अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल-दिसंबर 2023 में घटकर 45.1 अरब डॉलर रह गया, जो अप्रैल-दिसंबर 2022 में 49.1 अरब डॉलर था। चीन ने समीक्षाधीन अवधि में अमेरिका को 35.1 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 38.26 अरब डॉलर था। इसी तरह वियतनाम का अमेरिका को निर्यात घटकर 5.47 अरब

भारी उतार-चढ़ाव के बीच हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

टाटा स्टील के शेयर में आया बंपर उछाल

मुंबई ।

बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में मामूली बढ़त के साथ हरे निशाना पर बंद हुए। निवेशक इस सप्ताह यूएस फेडरल रिजर्व के इंटरेस्ट रेट को लेकर फैसले और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए सतर्क दिख रहे हैं। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 104.99 अंक की बढ़त लेकर 72,748.42 अंक पर बंद हुआ। दिन के कामकाज के दौरान यह 72,985.89 के शीर्ष और 72,314.16 के निचले स्तर तक चला गया था। इस तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 32.35 अंक की बढ़त के साथ 22,055.70 अंक के लेवल पर बंद हुआ।

सोमवार को सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील ने 5 प्रतिशत से ज्यादा की छलांग लगाई। साथ ही महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, रिलायंस

इंडस्ट्रीज और मारुति अन्य सबसे बड़े लाभ में रहे। दूसरी तरफ, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, विप्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले के शेयर लाल निशान में बंद हुए। इसके अलावा ऑटो, मेटल, कमोडिटी और हेल्थकेयर शेयरों में तेजी आई जबकि आईटी और टेक शेयरों को नुकसान का सामना करना पड़ा।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया सियोल, जापान का टोक्यो, चीन का शंघाई और हांगकांग के शेयर बाजार बढ़त में बंद हुए। स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 848.56 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

भारतीय स्टार्टअप इस साल 8-12 अरब डॉलर जुटाएगा - पीक एक्सवी

नई दिल्ली । उद्यम पूंजी फर्म पीक एक्सवी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने सोमवार को कहा कि भारतीय स्टार्टअप इस साल 8-12 अरब डॉलर जुटाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने यहां आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में कहा कि देश का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र दुनिया में सबसे जीवंत है। लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर की निजी पूंजी बिना निवेश के पड़ी है और वह भारत में निजी फर्मों और स्टार्टअप में निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि 2021 से पहले भारतीय स्टार्टअप में निवेश की राशि लगभग 8-10 अरब डॉलर थी, जो 2021 और 2022 में संयुक्त रूप से बढ़कर 60 अरब डॉलर हो गई। पिछले साल यह सात अरब डॉलर थी, जिसे लोगों ने कम कहा। यह शून्य भी हो सकती थी, क्योंकि छह साल का वित्त पोषण दो साल में मिल गया था। इस साल हम 8-10 या 12 अरब डॉलर की राह पर हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हर साल 10 अरब डॉलर या लगभग 80,000 करोड़ रुपये का वित्त पोषण पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि आज भारत में करीब 20 स्टार्टअप हैं, जो शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं और अगले 7-8 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 100 तक पहुंचने की उम्मीद है।

बेटरप्लेस ने कौशल विकास के लिए यूपी सरकार से समझौता किया

नई दिल्ली । ग्राहक सेवा से सीधे जुड़े कर्मचारियों का प्रबंधन करने वाली कंपनी बेटरप्लेस ने कहा कि उसने 2025 तक एक लाख लोगों के कौशल विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि इनमें कम से कम 25 प्रतिशत महिलाएं होंगी। बयान के मुताबिक बेटरप्लेस ने उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के तहत बेटरप्लेस के डिजिटल लर्निंग मंच की मदद से ग्राहक सेवा से सीधे जुड़े कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। बेटरप्लेस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस प्रशिक्षण की मदद से कर्मचारियों को भविष्य की जरूरत के अनुसार खुद को तैयार करने में मदद मिलेगी।

फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन दो साल में 41,000 करोड़ घटा

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन दो साल में पांच अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 41,000 करोड़ रुपये) घट गया है। फ्लिपकार्ट में वॉलमार्ट के इक्विटी ढांचे में बदलाव के अनुसार ई-कॉमर्स कंपनी का मूल्यांकन 31 जनवरी, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में 40 अरब डॉलर था, जो 31 जनवरी, 2024 को घटकर 35 अरब डॉलर रह गया। फ्लिपकार्ट ने मूल्यांकन में गिरावट की वजह वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी फोनपे को अलग कंपनी के रूप में विभाजित करने को बताया है।सूत्रों का कहना है कि फ्लिपकार्ट का मौजूदा मूल्यांकन 38-40 अरब डॉलर के बीच है। वॉलमार्ट ने वित्त वर्ष 2021-22 में फ्लिपकार्ट में आठ प्रतिशत हिस्सेदारी को 3.2 अरब डॉलर में बेचा था। इस हिसाब से ई-कॉमर्स कंपनी का मूल्यांकन 40 अरब डॉलर बैठता है। वित्त वर्ष 2023-24 में अमेरिकी खुदरा क्षेत्र की दिग्गज ने 3.5 अरब डॉलर का भुगतान कर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत बढ़ाकर 85 प्रतिशत कर दी। इसके आधार पर फ्लिपकार्ट का उद्यम मूल्य 35 अरब डॉलर बैठता है। हालांकि, फ्लिपकार्ट ने वॉलमार्ट की रिपोर्ट के अनुसार मूल्यांकन में दिखाई गई कमी को खारिज करते हुए कहा है कि यह कंपनी के मूल्यांकन में उचित

समायोजन की वजह से है। फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि यह व्याख्या गलत है। फोनपे को अलग करने का काम 2023 में पूरा हुआ था। इससे फ्लिपकार्ट के मूल्यांकन में उचित समायोजन हुआ।

एक साल में भारतीय रेलवे की आय 17,000 करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे बीते कुछ सालों से जमकर कमाई कर रही है। इस वित्त वर्ष 2023-24 की बात करें तो रेलवे ने माल ढुलाई, कुल राजस्व, ट्रैक बिछाने के मामले में रिकॉर्ड बनाने की राह पर है। आंकड़ों पर नजर डालें तो वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेलवे का कुल राजस्व अब तक 2.40 लाख करोड़ रुपये है। कमाई की ये आंकड़ा पिछले साल 15 मार्च को 2.23 लाख करोड़ रुपये था। यानी की एक साल में भारतीय रेलवे ने कुल राजस्व में करीब 17,000 करोड़ की वृद्धि दर्ज की है। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय रेल का कुल व्यय 2.26 लाख करोड़ रुपये है। रेलवे से मिले प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार भारतीय रेल ने शुक्रवार को 1,500 मिलियन टन की मूल माल ढुलाई की है। बीते साल ये आंकड़ा 1,512 मिलियन टन था। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान रेलवे से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या 648 करोड़ है। जो कि पिछले साल से 52 करोड़ अधिक है। पिछले वर्ष यात्रा करने वाले यात्रियों की कुल संख्या 596 करोड़ थी। वित्तीय वर्ष में अब तक भारतीय रेल द्वारा 5,100 किलोमीटर नई रेलवे ट्रैक बिछाई गई है।

चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत

हांगकांग (ईएमएस)। चीन के विनिर्माण और निवेश में 2024 के पहले दो महीनों में सुधार हुआ है, जबकि रियल एस्टेट क्षेत्र अभी भी कमजोर बना हुआ है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि जनवरी-फरवरी में औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा विश्लेषकों के अनुमान से बेहतर है। इस दौरान कारखानों और उपकरणों पर खर्च 4.2 प्रतिशत बढ़ गया। दूसरी ओर जनवरी-फरवरी में रियल एस्टेट क्षेत्र सुस्त रहा और इसमें पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले नौ प्रतिशत की गिरावट हुई। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा कि संपत्ति बाजार अभी भी समायोजन और बदलाव के दौर से गुजर रहा है, लेकिन इस महीने की शुरुआत में चीन के वार्षिक विधायी सत्र में घोषित नीतियों से स्थिर और स्वस्थ वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। इन नीतियों में डेवलपर्स के लिए वित्तपोषण बढ़ाने और अधिक किफायती आवास बनाने की बात शामिल है।